

## भूखा है भूखा है, मेरा देश भूखा है

लोकतंत्र, प्रजातंत्र अमीरों की खातरि है  
नीतियां बनाने वाला अधिकारी शातरि है  
सरकारी वादे का मलिता नहीं राशन है  
मनमोहन कहते हैं जनता का शासन है  
शासन प्रशासन का रवैया रूखा है  
भूखा है, भूखा है, मेरा देश भूखा है

अन्न जो उपजता है, भेजते वदिश हैं  
और कसिान भूखा है अपने ही देश में  
चांद तक पहुंचने का राशन जुटाया है  
गरीबों से छीनकर चूहों को खलियाया है  
पेट में अनाज नहीं, और गला सूखा है  
भूखा है, भूखा है, मेरा देश भूखा है.